ओ३म्

धर्म मञ्जूषा

(पं धर्मदेव विद्यामार्तण्ड जी के शोधपूर्ण लेखों का संग्रह)

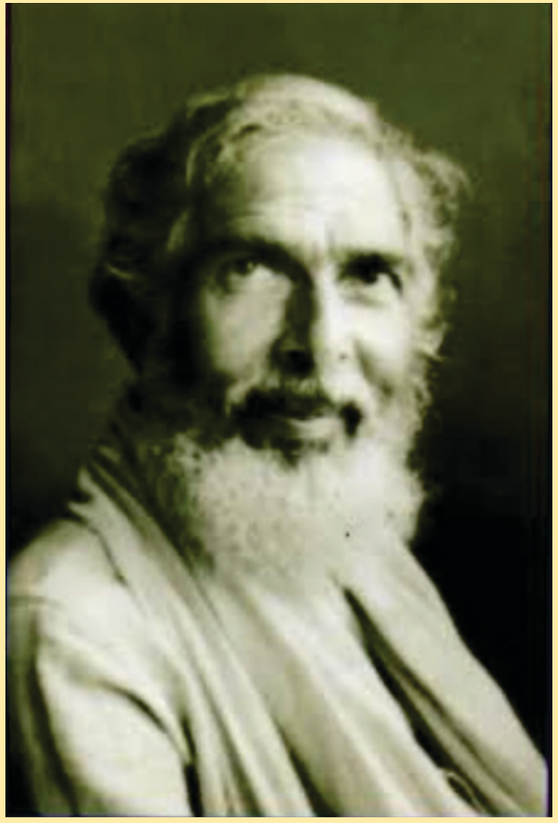

संपादक

डॉ विवेक आर्य

प्रियांशु सेठ

"धर्म मञ्जूषा" आर्य समाज के वेदों के प्रकांड विद्वान पं० धर्मदेव विद्यामार्तण्ड जी के वेद विषयक शोधपूर्ण एवं सामाजिक चिंतन पर लेखों का संग्रह है। पं० जी गुरुकुल कांगड़ी के प्रथम पीढ़ी के स्नातकों में से एक थे। चूंकि आपकी प्रारंभिक शिक्षा गुरुकुल मुल्तान (वर्तमान पाकिस्तान) में हुई व इस गुरुकुल में आप आचार्य के पद पर भी रहे। पश्चात् आपने गुरुकुल कांगड़ी में अपनी सेवाएं दी। इसके अतिरिक्त आपने दक्षिण भारत में भी जाकर मालाबार और मंगलोर क्षेत्र में आर्य समाजों की स्थापना की और वैदिक धर्म का नाद सुनाया। आपके समय समय पर अनेक शोधपूर्ण लेख आर्यसमाज की विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होते थे। ये पत्रिकाएं दुर्लभ हैं और जन सामान्य के लिए उपलब्ध नहीं हैं। अतः हमने पंडित जी के पुरुषार्थ को आपके बीच प्रकाशित करने का निर्णय लिया। उनकी लेखनी को अमर बनाने का सौभाग्य ईश्वर कृपा से ही प्राप्त हुआ है। बाकी भविष्य में अन्य लेख भी प्राप्त होते हैं तो उन्हें आगामी संस्करणों में संकलित करके प्रकाशित किया जायेगा।

₹ 600

ISBN: 978-93-343-5435-5

भारतीय हिन्दू शुद्धि सभा

दिल्ली-110007